This question paper contains 4+1 printed pages]

3381-R

B.A. (Third Year) EXAMINATION, 2018

HINDI LITERATURE

Paper I

(काव्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' **[Marks : 20]**

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'ब' **[Marks : 50]**

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'स' **[Marks : 30]**

*कोई **दो** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) कबीर का उल्लेख किस प्राचीन ग्रंथ में मिलता है ?

(*ii*) वासुदेवशरण अग्रवाल के अनुसार जायसी का जन्म कहाँ हुआ ?

(*iii*) हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोई-सोई कुछ गावै॥

इस पंक्ति का अर्थ लिखिए।

(*iv*) तुलसीदास की **दो** रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(*v*) सुंदरदास का राजस्थान से क्या संबंध है ?

(*vi*) 'ढोला मारू रा दूहा' का रचनाकार किसको माना जाता है ?

(*vii*) 'नहुष' का परिचय **एक** पंक्ति में दीजिए।

(*viii*) **दो** प्रेमाख्यानों का नामोल्लेख कीजिए।

(*ix*) 'अभिधा' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*x*) 'लक्षणा' का **एक** उदाहरण लिखिए।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मन के मतै न चालिए, छाड़ि जीव की बाँणि।

ताकू केरे सूत ज्यूँ, उलटि अपूठा आँणि॥

चिंता चित निवारिए, फिर बूझिए न कोई।

इंद्री पसर मिटाइए, सहजि मिलैगा सोई॥

3. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सिंहलद्वीप कथा अब गावौं। ओ सो पदमिनी बरनि सुनावौं।

निरमल दरपन भाँति बिसेखा। जो जेहि रूप सो तैसइ देखा॥

धनि सो दीप सो दीपक-बारी। ओ पदमिनी जो दई सँवारी॥

सात दीप बरनै सब लोगू। एको दीप न ओहि सरि जोगू॥

इकाई II

4. सूरदास के विरह वर्णन पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. तुलसीदास की समन्वय भावना पर सोदाहरण विचार कीजिए।

इकाई III

6. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

राणा जी थे क्याँने राखो म्हाँसू बैर।

थे तो राणा म्हाँनै इसड़ा लागौ ज्यों ब्रच्छनि में कैर।

महल अटारी हम सब त्याग्या, त्याग्यो थारो बसनो शहर।

काजल टीकी राणा हम सब त्याग्या, भगवाँ चादर पहर।

मीराँ के प्रभु गिरधर नागर, इमरत कर दियो जहर॥

7. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ढाढ़ी, एक संदेसड़उ, प्रीतम कहिया जाइ।

सा धण बलि कुइला भई, भसम ढँढोलिसी आइ।

ढाढ़ी जे प्रीतम मिलइ, यूँ कहि दाखवियाह।

पंजर नहीं छइ प्रांणियउ, थाँ दिस झल रहियाह।

इकाई IV

8. नहुष की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

होकर भी सर्वेश्वरी घोर चिंता चर्विता।

हो उठी प्रदीप्त आत्म गौरव से गर्विता॥

दीख पड़ी अश्रुमुखी धूल-धुली माला-सी।

किंवा धूम राशि में से जगी हुई ज्वाला-सी॥

इकाई V

10. शब्द-शक्ति का आशय सोदाहरण समझाइए।

11. व्यंजना पर सोदाहरण विचार कीजिए।

खण्ड 'स'

12. सूरदास की कविता का प्रवृत्तिगत विवेचन कीजिए।

13. मीरां की भक्ति-भावना पर सोदाहरण विचार कीजिए।

14. प्रेमाख्यान काव्य परंपरा में जायसीकृत 'पद्मावत' का मूल्यांकन कीजिए।

15. तुलसीदास लोकनायक हैं। पठित कविताओं के आधार पर समझाइए।

16. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन पर एक परिचयात्मक निबंध लिखिए।